Regarding construction of Indo-Nepal Border Road

श्री प्रदीप कुमार सिंह (अररिया) : महोदय, आज जिस विषय के ऊपर सदन में मुझे बोलने का मौका मिला है, वह सामरिक, सामाजिक और आर्थिक रूप से भारत व नेपाल दोनों के लिए ही महत्वपूर्ण है।

महोदय, आदरणीय प्रधानमंत्री जी के कुशल मार्गदर्शन में आज हमारा भारत सड़क के निर्माण के क्षेत्र में कई विकसित देशों को पीछे छोड़ दिया है, लेकिन कुछ महत्वपूर्ण सड़कों का निमार्ण कार्य विगत कई सालों से वंचित है।

महोदय, यह सड़क इंडो-नेपाल सड़क बिहार में पश्चिम चंपारण से चल कर सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल होते हुए अररिया के सिपटी होकर किशनगंज, गलगलिया तक जाती है।

महोदय, केन्द्र सरकार व राज्य सरकार के सहयोग से करीब 552 किलोमीटर सड़क का निर्माण कार्य वर्ष 2013 में शुरू हुआ। वर्ष 2016 तक इसे दो चरणों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन अब तक सिर्फ 177 किलोमीटर सड़क का निर्माण कार्य हो पाया है। हमारे जिले अररिया सहित 374 किलोमीटर सड़क के निर्माण कार्य में कोई प्रगति नहीं हुई है, जो अति चिंतनीय है। कई दशकों से अपेक्षित इस सड़क का निर्माण हो जाने से बार्डर लाइन व आसपास के गांव में सामाजिक व आर्थिक विकास की शुरुआत के साथ सीमा पार से होने वाली तस्करी पर भी लगाम लगाना सुनिश्चित होगा।

मैं केन्द्र सरकार व राज्य सरकार से निवेदन करता हूं कि सुरक्षा के लिहाज से सड़क निर्माण के कार्य में तेजी लाकर इस सड़क का कार्य अतिशीघ्र किया जाए।